Name of the course :- BA ECONOMICS Part III

PAPER :- V (Development & Environmental Economics)

TOPIC - Economic Factors of Economic Development.
आर्थिक विकास निर्धारण के आर्थिक घटक या तत्व

Prepared by :- Dr. (Prof.) DURGA NAND JHA
COURSE co-ordinator, ECONOMICS, NOU

आर्थिक विकास की प्रक्रिया अथवा प्रक्रम को प्रभावित करनेवाले विभिन्न कारक आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक हैं। इन तत्वों में कुछ आर्थिक विकास के प्रधान चालक (prime mover) हैं जो विकास की प्रक्रिया का आरम्भ करते हैं, और कुछ सहायक चालक हैं जो प्रधान चालक की क्रिया प्रणाली को सरल बनाते हैं। आर्थिक विकास के प्रधान चालक को आर्थिक विकास के आंगिक अवयव (organic component) तथा शेष को आर्थिक विकास का निर्धारक तत्व या कारक की संज्ञा दी जाती है।

श्रीमती जोन राबिन्सन के अनुसार, आर्थिक विकास एक स्वत: आरम्भ होने वाली प्रक्रिया है इसलिए प्रधान चालकों के तुलना में सहायक चालकों की तुलना में सहायक चालकों को अधिक महत्व देना चाहिए क्योंकि विकास को अंतिम रूप देने का उत्तरदायित्व इन्हीं चालकों पर होता है। श्रीमती जोन राबिन्सन की दृष्टि में — (1) जनसंख्या और उत्पादन की दर का अनुपात एवं (2) पूंजी निर्माण की दर आर्थिक विकास के दो सहायक चालक किन्तु आवश्यक तत्व हैं।

शुम्पीटर (Schumpeter) ने नवप्रवर्तन अथवा नवीनता (Innovation) को आर्थिक विकास का प्रमुख तत्व माना है।

W. W. ROSTOW के अनुसार (1) श्रम शक्ति (2) पूंजी संचय — दो महत्वपूर्ण तत्व आर्थिक विकास को प्रभावित करते हैं।

KINDELBERGER & HARIK ने (1) भूमि और प्राकृतिक साधन, (2) भौतिक पूंजी, (3) श्रम और मानव पूंजी (4) संगठन (5) प्रौद्योगिकी (6) पैमाने की बचतें और मंडी का विस्तार एवं (7) संरचनात्मक परिवर्तन को आर्थिक विकास के कारक-तत्व माने जाते हैं।

Richard GILL ने - ① जनसंख्या वृद्धि ② प्राकृतिक साधन ③ पूंजी संचय ④ उत्पादन के पैमाने में वृद्धि व विशिष्टीकरण एवं ⑤ तकनीकी प्रगति को, तथा ARTHUR LEWIS ने ① बचत करने का प्रयत्न, ② ज्ञान की वृद्धि तथा उसका उत्पादन में प्रयोग एवं ③ प्रति व्यक्ति पूंजी में वृद्धि का आर्थिक विकास का आधारभूत कारक बतलाया है। प्रो० रैगनर नर्कस के अनुसार आर्थिक विकास बहुत हद तक ① मानवीय गुणों, ② सामाजिक प्रवृत्तियों ③ राजनैतिक परिस्थितियों और ④ ऐतिहासिक संयोगों से सम्बन्ध रखती है।

HARROD-DOMAR के अनुसार, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व हैं:- ① जनसंख्या वृद्धि की दर ② औद्योगिक विकास की दर ③ पूंजी-उत्पादन अनुपात एवं ④ बचत-आय अनुपात।

MEIER & BALDWIN ने - ① तकनीकी प्रगति ② पूंजी-संचय ③ प्राकृतिक संसाधन ④ जनसंख्या ⑤ साधनों का लचीलापन आर्थिक विकास के प्रमुख निर्धारक तत्व हैं।

BAUER & Yamey के अनुसार ① प्राकृतिक साधन ② जनसंख्या ③ बेरोजगारी एवं अल्प-रोजगारी ④ पूंजी तथा ⑦ सरकार आर्थिक विकास के कारक तत्व हैं।

सारांश (summary) Economic Factors of Eco. Dev. (आर्थिक विकास के आर्थिक तत्व)

Economic Factors - Determinant in Summary

↓

प्राकृतिक साधन (Natural resources)

जनसंख्या (population)

मानवीय साधन व मानव-पूंजी (Human resources & Human capital)

पूंजी संचयन (Capital Accumulation)

तकनीकी प्रगति एवं नव-प्रवर्तन (Technical Progress & Innovation)

उद्यमशीलता एवं प्रवर्तनीय क्षमता (Entrepreneurship & promotional capacity)

विदेशी पूंजी (foreign capital)

सरकार की आर्थिक नीति (Economic Policies of Government)

आर्थिक संगठन (Economic organisation)

—X—

Name of the course :- BA Part III, ECONOMICS Hons.
Paper :- V (Development & Environmental ECONOMICS)

TOPIC - Non-Economic factors of Economic Development.
आर्थिक विकास के गैर-आर्थिक तत्व

Written by:- Dr. (Prof) Durga Nand Jha
COURSE-CO-ordinator, ECONOMICS, NOU

आर्थिक विकास में आर्थिक कारकों (तत्वों) के साथ-साथ गैर आर्थिक कारक भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आर्थिक कारकों के मौजूद होने पर भी यह आवश्यक नहीं है कि आर्थिक विकास की प्रक्रिया सुचारु रूप से सम्पादित हो।

आर्थिक विकास के लिए यह आवश्यक है कि वहाँ के लोगों में विकास के प्रति जागरूकता तथा इच्छा हो तथा उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक दशाएँ आर्थिक विकास को आरम्भ करने में उपयुक्त हों। प्रो० W.W. ROSTOW के अनुसार आर्थिक विकास-प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले गैर-आर्थिक तत्व निम्नलिखित हैं:—

(1) आधारभूत विज्ञानों को विकसित करने की प्रवृत्ति,
(2) विज्ञान का आर्थिक उद्देश्य में प्रयोग की प्रवृत्ति
(3) नवप्रवर्तन अथवा नवीनता (Innovation) को स्वीकार करने की प्रवृत्ति
(4) भौतिक विकास को प्राप्त करने की प्रवृत्ति,
(5) उपभोग की प्रवृत्ति, एवं
(6) स्वस्थ सन्तान की प्रवृत्ति।

प्रो० Ragnar Nurkse के अनुसार "A country is poor because it is poor". Benjamin Higgins, गरीबी गरीबी भी है और जड़ा भी। इस तरह गरीबी "कारण" और "परिणाम" दोनों है

एक ओर गरीबी आर्थिक स्तर पर आय, पूंजी तथा साधन में कमी के कारण प्राप्त होती है दूसरी ओर गरीबी गैर-आर्थिक स्तर पर नवीनता को स्वीकार न करने उद्यमशीलता एवं वैज्ञानिक शोधों के अभाव के रूप में प्राप्त होती है।

आर्थिक विकास के गैर आर्थिक कारक इस प्रकार हैं:—

(1) सामाजिक एवं संस्थागत कारक (Social and Institutional Factors)

(a) जाति प्रथा (b) छुआछूत (c) संयुक्त परिवार प्रणाली (d) उत्तराधिकार के नियम (e) भूमि व सम्पत्ति के प्रति मोह (f) अन्धविश्वास (g) रूढ़िवादिता व धार्मिक प्रपंच (h) परिवर्तन व नये विचार के प्रति विरक्ति और उसका विरोध (i) झूठी शान-शौकत (j) सामाजिक अपव्यय (k) सामाजिक मनोवृत्तियों व सामाजिक मूल्यों का प्रतिकूल होना (l) परम्परावादी रीति रिवाजों, त्यौहारों में भाग लेने में आराम व संतोष पर अधिक बल तथा (m) लोगों का भाग्यवादी अधिक होना...।

(2) कुशल व स्थिर प्रशासन (Efficient and stable Administration)

(3) राजनैतिक अस्थिरता (Political Instability)

(4) भ्रष्ट व अकुशल सरकार (corrupt & Inefficient Government).

(5) अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियाँ (International circumstances)

(6) शिक्षा का प्रसार (Spread of Education)

(7) धार्मिक घटक (Religious factors)

आर्थिक विकास की प्रक्रिया में आर्थिक तत्व व गैर आर्थिक तत्व परस्पर पूरक हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में दोनों अपना ~~सापेक्षिक (Relative contribution)~~ योगदान (Relative contribution) करते हैं। आर्थिक तत्व अगर necessary factor है तब गैर आर्थिक घटक sufficient factor हैं।

—— X ——